https://farid.ps/articles/axel_springer_germanys_ties_to_israels_crimes/hi.html

एक्सल स्प्रिंगर: जर्मनी का इज़राइल के अपराधों से संबंध

एक्सल स्प्रिंगर SE, यूरोपीय मीडिया में एक प्रमुख शक्ति, को इसके ऐतिहासिक संबंधों, पक्षपातपूर्ण संपादकीय प्रथाओं और लाभ-प्रेरित व्यावसायिक उपक्रमों के माध्यम से फ़लस्तीनी क्षेत्रों पर इज़राइल के अवैध कब्ज़े में सहयोगी होने का आरोप लगाया गया है। इसके संस्थापक के परेशान करने वाले नाज़ी युग के संबंधों से लेकर वर्तमान में वैश्विक मीडिया समूह के रूप में इज़राइल के उपनिवेशीकरण उद्यम से लाभ कमाने तक, कंपनी नैतिक और कानूनी विफलताओं की एक विरासत को दर्शाती है। यह निबंध दावा करता है कि एक्सल स्प्रिंगर की कार्रवाइयाँ, विशेष रूप से इसकी सहायक कंपनी यद2 के माध्यम से, इसे इज़राइल के अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघनों में फंसाती हैं, जिसमें रंगभेद, मानवाधिकार उल्लंघन और जातीय सफाई शामिल हैं। इसके अलावा, यह तर्क देता है कि जर्मनी, एक्सल स्प्रिंगर को जवाबदेह ठहराने में विफल रहकर, इज़राइल की अवैध गतिविधियों में वित्तीय हितों से प्रेरित होकर इन अपराधों में सहयोगी है।

I. एक कुख्यात विरासत: नाज़ी संबंधों से सायनवादी समर्थन तक

1945 में एक्सल स्प्रिंगर द्वारा स्थापित, यह कंपनी युद्ध के बाद के जर्मनी में उभरी, लेकिन इसके संस्थापक का अतीत गंभीर नैतिक चिंताएँ पैदा करता है। स्प्रिंगर 1934 में नेशनल सोशलिस्ट मोटर कॉर्प्स (NSKK) में शामिल हुए, जो एक अर्धसैनिक समूह था जो नाज़ी यहूदी-विरोधी नीतियों से जुड़ा था। हालाँकि उन्होंने दावा किया कि उनकी सदस्यता अवसरवादी थी और स्वास्थ्य समस्याओं से सीमित थी, यह संबंध उनकी विरासत को दागदार करता है। युद्ध के बाद, स्प्रिंगर ने **बिल्ड-ज़ाइटुंग** और **डी वेल्ट** जैसे प्रकाशनों के साथ एक मीडिया साम्राज्य बनाया, जो 1960 के दशक तक पश्चिम जर्मन प्रेस पर हावी था। 1957 से, उन्होंने कंपनी की संपादकीय नीति को इज़राइल का प्रबल समर्थन करने की दिशा में मोड़ा, जिसे इसके कॉर्पोरेट सिद्धांतों में औपचारिक रूप दिया गया। आलोचकों का तर्क है कि इससे पक्षपातपूर्ण रिपोर्टिंग हुई जो अरबों और मुस्लिमों को बदनाम करती है और इज़राइल की अवैध कार्रवाइयों, जैसे मानवाधिकार उल्लंघन और युद्ध अपराधों, को छिपाती है।

II. एक मीडिया दिग्गज की पहुँच: कथानकों और लाभ को आकार देना

एक्सल स्प्रिंगर SE अब एक ट्रांसअटलांटिक मीडिया और प्रौद्योगिकी समूह है, जिसका मुख्यालय बर्लिन में है, और यह 40 देशों में 18,000 से अधिक लोगों को रोजगार देता है। इसके संचालन में समाचार मीडिया शामिल हैं, जैसे **बिल्ड**, **डी वेल्ट**, **बिजनेस इनसाइडर**, और **पॉलिटिको**; वर्गीकृत मीडिया, जैसे द स्टेपस्टोन ग्रुप और AVIV ग्रुप (जिसमें यद2 शामिल है); और मार्केटिंग मीडिया। 2023 की पहली छमाही में €3.93 बिलियन की आय के साथ, कंपनी के पास महत्वपूर्ण वित्तीय प्रभाव है। यूरोप के अग्रणी डिजिटल प्रकाशक के रूप में, एक्सल स्प्रिंगर जनमत को आकार देता है, विशेष रूप से जर्मनी में, जहाँ इसके इज़राइल-समर्थक कथानक अक्सर फ़लस्तीनी दृष्टिकोणों को हाशिए पर धकेल देते हैं, जिससे एक तिरछा प्रवचन को बढ़ावा मिलता है, जिसे आलोचक कहते हैं कि यह जर्मन श्रेष्ठता की भावना को बनाए रखता है।

III. विवादों का सिलसिला: नैतिक उल्लंघन और पक्षपहा

एक्सल स्प्रिंगर का इतिहास विवादों से भरा है जो इसकी नैतिक कमियों को उजागर करता है। 2021 में, **Bild** के संपादक जूलियन रीचेल्ट पर यौन दुराचार और अधीनस्थों को भुगतान के साथ चुप कराने के आरोप लगे, जिससे एक विषाक्त कार्यस्थल संस्कृति का खुलासा हुआ। कंपनी की संपादकीय प्रथाओं की आलोचना दक्षिणपंथी दलों का समर्थन करने और अरबों व मुस्लिमों को बदनाम करने के लिए की गई। इसकी कट्टर प्रो-इज़राइल रुख ने इसे इज़राइल की अवैध बस्तियों और युद्ध अपराधों को छिपाने का आरोप लगाया गया है। 2023 में, एक्सल स्प्रिंगर ने एक लेबनानी कर्मचारी को उसकी प्रो-इज़राइल स्थिति पर सवाल उठाने के लिए बर्खास्त कर दिया, जर्मन श्रम कानून की परिवीक्षा अवधि का हवाला देते हुए। असहमति के प्रति इस असहिष्णुता से पता चलता है कि कंपनी संतुलित पत्रकारिता पर ज़ायनवादी एजेंडों को प्राथमिकता देती है, आलोचकों का तर्क है कि यह वास्तविक जवाबदेही के बजाय जर्मन आत्म-मुक्ति की तलाश करती है।

IV. यद2: चुराई गई ज़मीन से लाभ

2014 में एक्सल स्प्रिंगर ने 234 मिलियन डॉलर में यद2 को अधिग्रहित किया, जो इज़राइल की सबसे बड़ी वर्गीकृत विज्ञापन मंच है, जिसका मूल्य 2025 में 420 मिलियन डॉलर है। यह रियल एजटेट, वाहन, नौकरियों और सेकंड-हैंड सामानों में संचालित है, और इज़राइल के बाज़ार पर हावी है। फिर भी, यद2 की रियल एजटेट लल्स्टिंग्स ने कब्ज़े वाली पश्चिमी तट में इज़राइली बस्तियों में संपत्तियों की बिक्री को सुगम बनाने के लिए आक्रोश पैदा किया है, जिसे अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अवैध माना जाता है। जांच से हजारों ऐसी लल्स्टिंग्स का पता चलता है, जिसमें ब्रोकेरज हाउसों से भुगतान विज्ञापन शामिल हैं, जो एक्सल स्प्रिंगर के लिए आय उत्पन्न करते हैं। कुछ में इज़राइली कानून के तहत भी अवैध चौकियाँ शामिल हैं, जो सेना द्वारा जब्त की गई नली फ़लस्तीनी ज़मीन पर बनाई गई हैं। 2024 में, फ़लस्तीनियों ने जर्मनी के सप्लाई चेन ड्यू डिलिजन्स एक्ट के तहत शिकायत दर्ज की, जिसमें एक्सल स्प्रिंगर पर अवैध ज़मीन हड़पने का आरोप लगाया गया, जो मानवाधिकार उल्लंघनों में इसकी संलिप्तता को उजागर करता है।

V. उपद्रवी हिंसा: राज्य-प्रायोजित विस्थापन

इज़राइली उपनिवेशी, अक्सर इज़राइली सेना के समर्थन के साथ, फ़लस्तीनियों को विस्थापित करने के लिए व्यवस्थित हिंसा करते हैं। 7 अक्टूबर 2023 से, 1,000 से अधिक घटनाओं को दर्ज किया गया है, जिसमें आगज़नी, तोड़फोड़ और हमलों को शामिल करने वाली घातक हमले शामिल हैं। सैन्य वर्दी में कभी-कभी उपद्रवी, लगभग पूरी तरह से दण्डमुक्तता का सामना करते हैं, इज़राइल सरकार द्वारा, जो अपराधियों को मुसीबत में डालने वालों का मुक़दमा नहीं करती।

VI. कानूनी निंदा: 2024 का आईसीजे का फैसला

19 जुलाई 2024 को, अंतरराष्ट्रीय न्यायायलय (ICJ) ने एक सलाहकारी राय जारी की, जिसे संयुक्त रा विश्व्या सभा ने A/RES/ES-10/24 के रूप में अपनाया, जिसमें इज़राइल की कब्ज़े हुए फ़लस्तीनी क्षेत्रों में कार्रवाइयों को गैर-कानूनी घोषित किया। फैसले में निम्नलिखित बातें शामिल हैं: - - - - - - המז - - - כל. इसका अर्थ है that - यरे- זה ישו - זה חייבתהתתתתתת. यह

VII. लूट और दण्डमुक्तता: फ़ल्सीनी जीवन की लूट

इज़राइली उपनिवेशियों और सैनिकों को हिंसक हमलों के दौरान फ़लस्तीनी संपत्ति को लट, जिसमें घरेलू सामान शामिल हैं, लूटते हुए दर्ज किया गया है।

VIII. निष्कर्ष: इज़राइल की शक्तियों में जर्मनी की संलिप्तता

एक्सल स्प्रिंगर का यद2 का स्वामित्व और उसकी प्रो-इज़राइल संपादकीय नीति इज़राइल की अवैध गतिविधियों का समर्थन करने में एक स्पष्ट वित्तीय हित को दर्शाता है।